भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 986

दिनांक 10/02/2023

आईसीएआर द्वारा विकसित मृदा स्वास्थ्य किट

986. श्री एस. निरंजन रेड्डी:
क्या **कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या केन्द्रीय सरकार को इस बात की जानकारी है कि मृदा की जैव विविधता संबंधी अखिल भारतीय नेटवर्क परियोजना के अंतर्गत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा एक मृदा स्वास्थ्य किट विकसित की गई थी जिसके द्वारा वैज्ञानिक कौशल और उपकरण के बिना ही किसान मृदा स्वास्थ्य की निगरानी कर पाएँगे, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) केन्द्रीय सरकार द्वारा भारत में ऐसी मृदा किटों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ग) विगत दो वर्षों के दौरान वितरित किए गए मृदा किटों की राज्य-वार सूची क्या है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री
(श्री नरेन्द्र सिंह तोमर)

(क) जी, हाँ। आईसीएआर-मृदा जैवविविधता पर अखिल भारतीय नेटवर्क परियोजना के तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय स्थित समन्वय केन्द्र ने मृदाओं के जैविक स्वास्थ्य का आकलन करने के लिए हाल ही में एक सोइल हेल्थ किट विकसित की है। यह किट मृदा श्वसन पर आधारित है और इसके लिए संकेतक "जैल प्रोब" का प्रयोग किया गया है, जो मृदा से उत्पन्न co_2 की मात्रा के अनुसार अपने रंग में परिवर्तन करता है।

(ख) इस किट को वैधीकृत किया जा चुका है और विभिन्न हितधारकों जैसे किसानों, छात्रों, वैज्ञानिकों तथा राज्य के अधिकारियों इत्यादि के बीच इसे सुग्राही बनाने और इसके प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए इसका प्रदर्शन किया गया है।

(ग) अब तक, तमिलनाडु राज्य के किसानों को ऐसी 120 किटें वितरित की जा चुकी हैं।

****